

प्रेषक,

एन0एन0 प्रसाद,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, पर्यटन,
पर्यटन निदेशालय,
देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 26 जुलाई, 2004

विषय:-नगर पंचायत मुनिकिरेती के क्षेत्र में कांवड़ मेलों की सामान्य व्यवस्था हेतु धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल के पत्र दिनांक 03-7-2004 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुये मैं मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय नगर पंचायत मुनिकिरेती के क्षेत्र में कांवड़ मेलों की सामान्य व्यवस्था हेतु विशेष अनुदान के रूप में रु० 20,00 हजार की धनराशि व्यय हेतु जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल के निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि शासनादेश दिनांक 26 अप्रैल 2004 द्वारा स्वीकृत सहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता हेतु स्वीकृत आयोजनागत पक्ष के मदों से व्यय किया जायेगा एवं उक्त शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अधीन व्यय किया जायेगा।

3- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका को नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में तिमितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- यदि स्वीकृत धनराशि से कोई निर्माण कार्य कराया जाता है तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि उन्ही मदों पर व्यय किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

6- यह अनुदान इस वर्ष विशेष अनुदान के रूप में स्वीकृत किया जा रहा है अतः इसे भविष्य के लिए दृष्टान्त नहीं माना जायेगा एवं न ही भविष्य में इस आधार पर अनुदान की मांग की जायेगी।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव

पृष्ठांकन संख्या- (1)VI/2004-49 पर्य0/2003, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/टिहरी गढ़वाल।

3- जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।

4- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।

5- निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी।

6- एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।

7- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव वित्त।

8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(एन0एन0 प्रसाद)
सचिव